संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

सत्यमेव जयते

मंत्री जी का संदेश - डाक विभाग

अप्रैल, 2026 संस्करण,

नमस्कार,

भारत के कायाकल्प की यात्रा गुणवत्ता, गति और सेवा उत्कृष्टता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित कर तेज़ी से आगे बढ़ रही है। इस प्रगति के केंद्र में डाक विभाग, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के अनुरूप आधुनिक, ग्राहक-केंद्रित और सेवा भाव से चलने वाले संगठन के रूप में लगातार प्रगति कर रहा है।

इस माह नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक बिजनस मीट 2026-27 में हमें अपने कार्य-निष्पादन का विश्लेषण करने और आगे की योजना बनाने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। इसमें सभी डाक सर्कलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि विभाग ने 16% की उच्च वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2025-26 में 15,296 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो वास्तव में सुदृढ़ निष्पादन और नागरिकों एवं व्यवसायों के बीच बढ़ते भरोसे, दोनों को परिलक्षित करती है। सभी सर्कलों ने उत्साहजनक कार्य-निष्पादन करते हुए वार्षिक व्यवसाय लक्ष्य का 88% हासिल किया है। यह भारत के उभरते आर्थिक परिदृश्य में विभाग की बढ़ती हुई भूमिका को इंगित करने वाला रहा है। यह वृद्धि नागरिक-केंद्रित सेवाओं, पार्सल, मेल और डाक जीवन बीमा में हुई प्रगति का परिणाम है। साथ ही, हमें अपनी क्षमता का पूरी तरह से लाभ उठाने के लिए पार्सल, मेल और अंतरराष्ट्रीय प्रचालन जैसे मुख्य क्षेत्रों को और सुदृढ़ करना होगा। इसके अलावा, हमें दक्षता, लागत संबंधी अनुशासन, जवाबदेही, मजबूत क्रयोन्मुखता और बेहतर प्रचालनगत एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना होगा। यह गौरव का विषय है कि सभी सर्कलों ने उत्कृष्ट कार्य किया है। इनमें राजस्थान सर्कल शीर्ष कार्य-निष्पादक रहा।

विभाग, प्रचालनगत प्रगति के साथ-साथ भारत की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने का भी कार्य कर रहा है। इसी भाव के साथ प्रधानमंत्री संग्रहालय में एक विशेष फिलैटली प्रदर्शनी "एक भारत, श्रेष्ठ भारत : डाक-टिकटों के माध्यम से भारत की एकता और लोकतंत्र का उत्सव" का उदघाटन किया गया। इसमें भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को दर्शाते हुए राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और स्वतंत्रता सेनानियों पर केंद्रित डाक-टिकटों का उल्लेखनीय संग्रह प्रदर्शित किया गया। फिलैटलिस्ट और डाक-टिकट संग्रहकर्ताओं के साथ आयोजित चर्चाएं विशेष रूप से उत्साहजनक रहीं। संग्रहालय के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता, ऐसी पहलों के विस्तार और फिलैटली के माध्यम से जनता के साथ जुड़ाव को घनिष्ठ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संस्थागत विरासत का सम्मान करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, डाक प्रशिक्षण केंद्र, सहारनपुर की प्लेटिनम जुबिली के अवसर पर एक स्मारक डाक-टिकट जारी किया गया। 1951 में स्थापित इस संस्थान ने विभाग के भीतर क्षमता निर्माण और कौशल विकास करने हेतु हर वर्ष हजारों कर्मियों को प्रशिक्षित कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जैसे-जैसे हम भविष्य के लिए तैयार हो रहे हैं, ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स, डिजिटल प्रचालनों और वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों में क्षमताओं को मजबूत करने में इस संस्था का योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

ये पहलें विभाग के व्यापक रूपांतरण को दर्शाती हैं, जो भारतीय डाक को न केवल एक विश्वसनीय सेवा प्रदाता के रूप में, बल्कि ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में विकास के प्रमुख सक्षमकर्ता के रूप में भी स्थापित करती है। जैसे-जैसे भारत 2030 तक वैश्विक लॉजिस्टिक्स पावरहाउस बनने के अपने विजन की ओर आगे बढ़ रहा है, डाक विभाग और उसके कार्यबल की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती जा रही है।

आगे, हमारा ध्यान प्रगति की इस गति को और तेज़ करने, मुख्य क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने, उच्च-विकास क्षेत्रों का विस्तार करने और ऐसी विश्वसनीय, प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित होगा, जो तेजी से विकसित हो रहे राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा करें। मुझे भरोसा है कि निरंतर समर्पण और नवाचार के साथ भारतीय डाक, भारत की विकास गाथा में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को और भी सुदृढ़ करेगा।

जय हिंद!

शुभकामनाओं सहित,

ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया
संचार मंत्री, भारत सरकार